सेन्ट्रल जोन इंश्योरेंस एम्पलाईज एसोसियेशन

(ए.आई.आई.ई.ए. से संबद्ध)

33, प्रभांजलि, आर.डी.ए. कालोनी, टिकरापारा, रायपुर (छ.ग.)

अध्यक्ष : का. अजीत केतकर

महासचिव : का. डी. आर. महापात्र

परिपत्र क्र. : 3/2023

दिनांक : 11/02/2023

मध्य क्षेत्र के समस्त साथियों के नाम

प्रिय साथियों ,

विषय : क्षेत्रीय प्रबंधन के साथ सूचना सहभागिता सत्र

दिनांक 25 जनवरी 2023 को क्षेत्रीय प्रबंधन के साथ सीजेडआईईए की सूचना सहभागिता सत्र संपन्न हुआ था। इस चर्चा में प्रबंधन की ओर क्षेत्रीय प्रबंधक श्री प्रकाश चंद, आंचलिक प्रबंधक विपणन श्री प्रशांत दीक्षित, आंचलिक प्रबंधक (का.एवं औ.सं.) श्रीमति रश्मि भटनागर, आंचलिक प्रबंधक (का.से.) श्री धर्मपाल, आंचलिक प्रबंधक (सी.आर.एम.) श्री जी.डी. वरंदानी, मुख्य अभियंता श्री गुलशन कुमार, सचिव कार्मिक श्री संजीव शर्मा, सहायक सचिव कार्मि श्री अमित श्रीवास्तव, प्रशा.अधि.कार्मिक अमोल नागले उपस्थित थे। सीजेडआईईए की ओर से पूर्णवार्ता समिति के सभी सदस्यों ने इसमें भागीदारी की। संगठन की ओर से महासचिव ने सीजेडआईए की पूर्ण वार्ता समिति की अगुवाई की।

बैठक का शुभारंभ निगम गीत से हुआ। निगम गीत के पश्चात बैठक में उपस्थित सभी प्रतिभागियों द्वारा स्वपरिचय दिया गया। स्वपरिचय के उपरांत क्षेत्रीय प्रबंधक श्री प्रकाशचंद ने अपने उद्‌बोधन में सूचना सहभागिता सत्र में उपस्थित सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि विगत कई वर्षों से सूचना सहभागिता सत्र आयोजित करना मध्य क्षेत्र की परंपरा रही है एवं निगम की प्रगति में इसकी बहुत आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि यह प्रतिस्पर्धा का दौर है एवं हमारा मार्केट शेयर तथा निरंतरता अनुपात चिंता का विषय है। समय के अनुसार कार्यप्रणाली में बदलाव लाना होगा एवं संस्था को डिजिटल प्लेटफार्म पर और मजबूत होना होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि निगम इन चुनौतियों पर खरा उतरेगा।

इसके पश्चात सुश्री रश्मि भटनागर प्रबंधक (का. एवं औ.सं.) ने पॉवर प्वाइंट प्रस्तुति से निगम की प्रगति में मध्यक्षेत्र की भूमिका, नवव्यवसाय की दृष्टि से अखिल भारतीय स्तर पर मध्यक्षेत्र की स्थिति के साथ-साथ निगम के समक्ष भविष्य में आने वाली चुनौतियों से भी अवगत कराया। तत्पश्चात उन्होंने सीजेडआईईए के महासचिव काम. डी.आर. महापात्र को बैठक को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया।

सीजेडआईईए की ओर से महासचिव ने कहा कि प्रबंधन व यूनियन का लक्ष्य एक ही है- 'एलआईसी की समृद्धि'। इस विषय पर संगठन के दृष्टिकोण पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि एलआईसी के समक्ष दोहरी चुनौती है- बाहरी व अंदरुनी। बाहरी चुनौतियां राजनैतिक व आईआरडीए के माध्यम से एलआईसी पर प्रत्यक्ष व परोक्ष हमला है। अंदरुनी चुनौतियां -एलआईसी की निरंतर समृद्धि एजेण्टों को सक्रिय व पुरानी पालिसियों का पुनर्चलन करना तथा नयी पॉलिसी करना है। एलआईसी की उन्नति में सीजेडआईईए एवं बीमा कर्मचारी हमेशा अपनी सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। विभिन्न दावों के निष्पादन में सीजेडआईईए की सभी इकाइयां सदा सक्रिय रही हैं। इसी क्रम में अभिकर्ताओं के लिए नव व्यवसाय प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि एलआईसी के राष्ट्रीयकृत स्वरूप की रक्षा में संगठन सदैव सक्रिय है। उन्होंने प्रबंधन से कर्मचारियों के अन्य मुद्दों पर सकारात्मक पहल की अपेक्षा की। तत्पश्चात बैठक में सीजेडआईईए की कार्यसूची के अनुसार चर्चा प्रारंभ हुई जिसका विवरण इस प्रकार है-

1. जमीन एवं स्वयं के भवनों की आवश्यकता

रायपुर : सीजेडआईईए ने कहा कि दंतेवाड़ा में स्वयं का भवन, राजनांदगांव, सरायपाली, सीएबी भिलाई व कांकेर शाखाओं के लिए जमीन क्रय की जाए व महासमुंद शाखा का पुनर्आधुनिकीकरण किया जाए।

प्रबंधन की ओर से बताया गया कि दंतेवाड़ा शाखा हेतु क्रय की गई जमीन में वन विभाग के टालमटोल के चलते देरी हो रही है। इस हेतु छत्तीसगढ़ शासन को पत्र लिखा जाएगा। महासमुंद में मरम्मत कार्य जारी है। राजनांदगांव शाखा को जल्द ही किराये के अच्छे भवन में शिफ्ट किया जाएगा। सरायपाली, राजनांदगांव, सीएबी भिलाई व कांकेर शाखाओं के जमीन क्रय हेतु, केंद्रीय कार्यालय की मंजूरी के बाद प्रयास किया जायेगा।

जबलपुर : सीहोरा, सागर-2, सीएबी सागर, कटनी-2, नरसिंहपुर, बीना एवं लखनादौन शाखा हेतु जमीन, मंडल कार्यालय में लिफ्ट तथा बीना शाखा के स्थानांतरण की मांग की गई थी।

प्रबंधन ने बताया कि बीना शाखा को तत्काल स्थानांतरित किया जायेगा तथा केन्द्रीय कार्यालय की हरी झंडी के बाद सिहोरा, सागर-2, कटनी-2, नरसिंहपुर, बीना व लखनादौन हेतु जमीन क्रय किया जायेगा। मंडल कार्यालय में शीघ्र ही लिफ्ट लगा दिया जाएगा।

भोपाल : गंजबासौदा, शुजालपुर, रायसेन, होशंगाबाद, बैरागढ़, बैतूल, भोपाल शाखा-4 में स्वयं की जमीन क्रय करने, भोपाल-2 में जलप्रदाय व भोपाल-1 में मकान मालिक के आचरण संबंधी समस्याएं निराकरण की मांग की गई थी।

प्रबंधन की ओर से बताया गया कि केन्द्रीय कार्यालय से मंजूरी के बाद ही गंजबासौदा, शुजालपुर, रायसेन, होशंगाबाद, बैरागढ़, बैतूल, भोपाल-4 में जमीन क्रय की जाएगी। भोपाल-1 के मकान मालिक के खिलाफ मुकदमा दायर कर दिया गया है व भोपाल-2 के जलप्रदाय हेतु अभियंता शीघ्र दौरा करेंगे।

सतना : निवाड़ी, मैहर, सतना-1, सीएबी सतना एवं रीवा शाखा-2 हेतु जमीन क्रय की मांग की गई थी।

प्रबंधन ने कहा कि केन्द्रीय कार्यालय की मंजूरी के बाद उक्त शाखाओं हेतु जमीन क्रय की जाएगी।

ग्वालियर : ग्वालियर की 9 शाखाओं हेतु जमीन क्रय करने की मांग की गई थी।

प्रबंधन ने कहा कि केन्द्रीय कार्यालय की अनुमति के बाद ही उक्त शाखाओं हेतु जमीन क्रय की जाएगी।

बिलासपुर : शाखा रायगढ़, नैला, भाटापारा, पत्थलगांव, कोरबा-2 एवं बिलासपुर-2 के लिए जमीन क्रय एवं कोरबा-1 में फर्नीचर की मांग की गई थी।

प्रबंधन ने कहा कि जमीन क्रय का कार्य केन्द्रीय कार्यालय की अनुमति मिलते ही तुरंत किया जाएगा। कोरबा-1 में तत्काल फर्नीचर की समस्या हल की जाएगी।

इंदौर : मनावर, कन्नौद, सेंधवा, बड़वानी एवं रतलाम -2 हेतु जमीन क्रय की मांग की गई थी तथा डीएबी शाखा में पुरानी लिफ्ट के स्थान पर नई लिफ्ट की मांग की गई थी।

प्रबंधन ने कहा कि केन्द्रीय कार्यालय की मंजूरी के बाद उक्त शाखाओं हेतु जमीन क्रय की जायेगी। डीएबी शाखा की लिफ्ट के मामले पर प्रबंधन ने सहमति व्यक्त की।

शहडोल : शाखा सीएबी शहडोल व सूरजपुर हेतु जमीन क्रय व मंडल कार्यालय में ग्राउण्ड फ्लोर में टॉयलेट निर्माण की मांग थी।

मंडल कार्यालय भूतल में टॉयलेट निर्माण हेतु अभियंता जोनल कार्यालय से परीक्षण कर करेंगे व सूरजपुर तथा सीएबी शहडोल में जमीन किराए की नई बिल्डिंग में शाखाओं को स्थानांतरित किया जाएगा।

प्रबंधन ने सूचित किया कि केन्द्रीय कार्यालय ने अभी नयी जमीन क्रय करने के विचार पर अस्थायी रूप से रोक लगाई है, यह स्पष्ट होते ही शाखाओं हेतु जमीन क्रय करने पर पहल की जाएगी।

2. कर्मचारी आवास निर्माण :

रायपुर : सीजेडआईईए की ओर से दंतेवाड़ा में कर्मचारी-अधिकारी आवास गृह का निर्माण तथा भिलाई व दल्ली राजहरा के आवासगृहों में आंतरिक पुताई की मांग थी।

प्रबंधन की ओर से बताया गया कि दंतेवाड़ा में भवन निर्माण के साथ अधिकारी-कर्मचारी गृह का निर्माण प्रस्तावित है। भिलाई व दल्ली राजहरा में जल्द ही आंतरिक भागों की पुताई की जाएगी।

भोपाल : पाथाखेड़ा कर्मचारी आवासगृह के दरवाजे व खिड़कियां जर्जर हो चुके हैं, उन्हें बदला जाए।

प्रबंधन ने कहा कि अतिशीघ्र पाथाखेड़ा शाखा के स्टाफ क्वार्टर को दुरुस्त किया जाएगा।

शहडोल : बैढ़न शाखा के स्टॉफ क्वार्टर के टाइल्स व इलेक्ट्रिक कार्य अधूरे हैं, उन्हें पूर्ण किया जाए।

प्रबंधन ने इन कार्यों को जल्द कराने का आश्वासन दिया।

3. निरीक्षण एवं अतिथिगृह की समस्या :

रायपुर : सीजेडआईईए ने रायपुर में खाली पड़े कर्मचारी आवास को अतिरिक्त गेस्ट हाऊस में परिवर्तित करने का सुझाव दिया था।

प्रबंधन की ओर से बताया गया कि इस सुझाव पर विचार किया जाएगा।

सतना : टीकमगढ़ में अतिथिगृह व निवाड़ी शाखा में निरीक्षण कक्ष की मांग की गई थी।

प्रबंधन की ओर से बताया गया कि इस विषय में मण्डल कार्यालय से प्रस्ताव प्राप्त होने पर नियमानुसार विचार किया जाएगा।

शहडोल : उमरिया शाखा में निरीक्षण गृह उपलब्ध कराने की मांग थी।

प्रबंधन ने बताया कि इस हेतु मण्डल कार्यालय से प्रस्ताव का इंतजार है।

भोपाल : सीहोर, होशंगाबाद, बैतूल में अतिथिगृह की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की गई थी।

प्रबंधन की ओर से बताया गया कि सुझाव पर नियमानुसार

विचार किया जाएगा।

बिलासपुर : बिलासपुर मंडल में साधारण अतिथिगृह का लीज का नवीनीकरण लंबित है।

प्रबंधन ने मंडल कार्यालय परिसर में ही यह उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

इंदौर : इंदौर में अतिथिगृह के विस्तार की मांग की गई थी।

प्रबंधन ने सूचित किया कि मंडल कार्यालय परिसर में ही शीघ्र स्थायी अतिथि गृह की व्यवस्था की जाएगी।

4. आधुनिकीकरण एवं इससे संबंधित समस्या

रायपुर : सीजेडआईईए रायपुर शाखा-1 के पुनर्आधुनिकी - करण की मांग की गई थी व मंडल कार्यालय के आधुनिकीकरण के कार्य में गुणवत्ता की कमी की शिकायत की गई थी।

प्रबंधन ने बताया कि रायपुर-1 पुनर्आधुनिकीकरण के संबंध में मंडल कार्यालय से रिपोर्ट प्राप्त होने पर आगामी कार्यवाही की जाएगी। मंडल कार्यालय के आधुनिकीकरण की गुणवत्ता की जांच की जाएगी।

जबलपुर : बालाघाट, मंडला, सीएबी जबलपुर, समूह बीमा, छिंदवाड़ा एवं सिवनी के पुनर्आधुनिकीकरण की मांग की गई थी।

प्रबंधन ने कहा कि ये एक नीतिगत मामला है किंतु इन सभी शाखाओं के ए.सी. गर्मी से पूर्व सुधार दिए जाएंगे।

भोपाल : पाथाखेड़ा, शाजापुर, ब्यावरा में ए.सी. की मांग की थी।

प्रबंधन ने बताया कि इस संबंध में मण्डल कार्यालय से प्रस्ताव का इंतजार है।

बिलासपुर : नैला शाखा में एसी की मांग थी व भाटापारा में एसी बदलने की मांग की गई थी।

प्रबंधन की ओर से बताया गया कि इसे भी किया जाएगा।

शहडोल : मनेन्द्रगढ़ एवं सीधी शाखा में एसी की खराबी की शिकायत तथा बुढ़ार शाखा में कैश काउंटर में एसी की मांग की गई थी। शाखा सीएबी शहडोल एवं सूरजपुर कार्यालय में भवन स्थानांतरित व आधुनिकीकरण तथा बैढ़न शाखा के आधुनिकीकरण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने की मांग थी।

प्रबंधन ने बताया कि बैढ़न शाखा के आधुनिकीकरण का कार्य शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा। मनेन्द्रगढ़ व सीधी तथा बुढ़ार शाखा के कैश काउंटर में गर्मी के पूर्व एसी की समस्या का हल किया जाएगा।

इंदौर : डीबीओ इंदौर, खंडवा, मंदसौर शाखाओं के पुनर्आधुनिकीकरण की मांग की गई थी व सीएबी इंदौर, समूह बीमा, देवास, झाबुआ में एसी की व्यवस्था किए जाने की मांग की गई थी।

सतना : टीकमगढ़, छतरपुर, खजुराहो और अमरपाटन शाखाओं में ए.सी. की मांग एवं रीवा-2 को ए.सी. के साथ आधुनिकीकरण की मांग की गई थी।

प्रबंधन ने यह भी सूचित किया कि 15 वर्ष पूर्ण कर चुके सभी आधुनिकीकृत शाखाओं का पुनर्आधुनिकीकरण नीतिगत मामला है, इस पर विचार किया जायेगा किंतु गर्मी के पूर्व एसी संबंधी समस्या को दूर किया जाएगा एवं आंचलिक प्रबंधक कार्मिक एवं का.से. इसकी निगरानी करेंगे तथा इसे एटीआर में भी चर्चा के लिए रखा जाएगा।

5. मेडीक्लेम की समस्या :

सीजेडआईईए ने कहा कि रायपुर शहर को 'सी' श्रेणी में मेडीक्लमे दावों में रखा गया है, जबकि एलआईसी में सीसीए हेतु इसे 'बी' श्रेणी में रखा जाता है जिससे रूम किराए प्रतिदिन 4000 रु. तक रखी जा रही है जबकि कई बड़े अस्पतालों में जनरल वार्ड 4000 रु. की सीमा को पार कर रहे हैं।

प्रबंधन ने बताया कि 2011 के बाद जनगणना न होने से यह समस्या आ रही है। सीजेडआईईए ने यह भी कहा कि भोपाल मंडल के श्री पंकज शर्मा का मेडिक्लेम दावा लंबित है।

प्रबंधन की ओर से बताया गया कि इस पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

6. लंबित अनुकंपा नियुक्ति प्रकरण :

दिवंगत दशरथी बघेल (स्थायी कर्मचारी जगदलपुर), लोकेश नट (शाखा ब्यौहारी), राज बहोर सिंह (स्थायी अंशकालिक शाखा कोतमा), गोपाल साहू (अंशकालिक, मुंगेली शाखा), भूरा सिंह झाबर, श्याम लाल नागर (अंशकालिक कर्मी, इंदौर मंडल), दुशासन सिंह कुशवाहा, ग्वालियर मंडल के प्रकरणों का शीघ्र समाधान किए जाने की मांग की गई थी।

प्रबंधन की ओर से बताया गया कि केन्द्रीय कार्यालय के निर्देशानुसार निगम के समस्त स्थायी अंशकालिक कर्मचारियों के पूर्णकालिक कर्मचारियों में परिवर्तन के उपरांत अंशकाल के लिए कोई नियुक्ति नहीं की जानी है अत: दिवंगत अंशकालिक कर्मचारियों के आश्रितों की अनुकंपा नियुक्ति पर विचार नहीं किया जा सकता है।

स्व. श्री लोकेश नट, उच्च श्रेणी सहायक शहडोल का प्रकरण माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर में रिट पिटीशन क्र. 11846/2020 के अंतर्गत लंबित है।।

स्व. भूरासिंह भाभर के प्रकरण में चूंकि कर्मचारी की मृत्यु दिनांक को दिवंगत कर्मचारी की बड़ी बेटी सुपुत्री सुश्री रवीना भाभर व्यस्क थीं अत: आवेदन करने योग्य थीं अत: श्री शुभम् भाभर के वयस्क होने तक समय प्रदान किये जाने के आवेदन को केन्द्रीय कार्यालय द्वारा

पत्र दिनांक 10.8.2020 के माध्यम से अस्वीकृत कर दिया है।

सीजेडआईईए के आग्रह पर प्रबंधन ने इन सभी मामलों में केन्द्रीय कार्यालय में पुन: पहल का आश्वासन दिया।

एमबीए : सतना मंडल के एमबीए मामले का समाधान अब भी लंबित है। श्री संदीप राजपूत (छिंदवाड़ा) श्रीमती प्रीति गांधी (जबलपुर) के मामले भी लंबित हैं।

प्रबंधन की ओर से बताया गया कि सतना मंडल का एमबीए का प्रकरण केन्द्रीय कार्यालय में लंबित है। इस पर पहल की जाएगी। श्री संदीप राजपूत एवं सुश्री प्रीति गांधी द्वारा सिक्किम मणिपाल यूनिवर्सिटी से किया गया एमबीए, यूजीसी से मान्य नहीं है।

अन्य मुद्दे :

1. वर्ष 2011 में सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के अनुरूप चतुर्थ श्रेणी संवर्ग में हुई भर्ती प्रक्रिया के दौरान मध्य क्षेत्र में उससे वंचित किए गए अस्थायी कर्मचारियों के संबंध में माननीय जबलपुर उच्च न्यायालय द्वारा पारित निर्णय का शीघ्र क्रियान्वयन किया जाए।

- प्रबंधन की ओर से बताया गया कि इस संबंध में विभागीय प्रक्रिया जारी है।

2. भोपाल मंडल की शाजापुर शाखा के दृष्टिबाधित कर्मचारी श्री रघुनंदन खीची को निर्धारित साफ्टवेयर उपलब्ध कराया जाए।

- प्रबंधन की ओर से बताया गया कि यह विषय केन्द्रीय कार्यालय के क्षेत्राधिकार में है और उस हेतु पहल की गई है।

3. जबलपुर एवं भोपाल मंडल में सिविल व इलेक्ट्रिकल इंजीनियर की पदस्थापना की जाए।

4. नवनियुक्त सहायकों के वैवाहिक आधार तथा आपसी सहमति के स्थानांतरण स्वीकृत किए जाएं।

- प्रबंधन की ओर से बताया गया कि सहायक भर्ती अधिसूचना दिनांक 17.9.19 में स्पष्ट रूप से यह उल्लेखित है कि नव नियुक्त सहायकों के स्थानांतरण आवेदन पर तीन वर्ष तक विचार नहीं किया जा सकता था। अब सीजेडआईईए की मांग पर अब सहानुभूति - पूर्वक विचार किया जायेगा।

5. 1.4.2010 के बाद से नियुक्त कर्मचारियों हेतु डीसीपीएस योजना प्रभावशील है। ऐसे सभी कर्मचारियों का अंशदान सितंबर 2021 से एनपीएस योजना में अनिवार्य रूप से जमा किया जा रहा है। किंतु 1.4.2010 से लेकर इस अवधि तक उनके अंशदान का विवरण तथा इस मध्य कुछ मृत कर्मचारियों के आश्रितों को कोई भी भुगतान प्राप्त नहीं हुआ है। अत: इन सभी कर्मचारियों को उनके अंशदान का विवरण प्रदान किया जाए तथा मृतक कर्मचारियों के परिजनों को निम्नानुसार भुगतान किया जाए।

- प्रबंधन की ओर से बताया गया कि केन्द्रीय कार्यालय से प्राप्त अंशदान का विवरण, सभी मण्डल कार्यालयों को दिनांक 28.6.21 को प्रेषित कर निर्देशित किया गया है कि इसे संबंधित डीसीपीएस सदस्य को हस्तांतरित करें। इस के अतिरिक्त निगम को इंटरनेट साईट (www.licindia.com) पर भी यह जानकारी ऑनलाईन सर्विसेज के अंतर्गत उपलब्ध है जिस पर संबंधित सदस्य एनरोल कर डीसीपीएस के अंशदान के संबंध में जानकारी प्राप्त कर सकता है। जो कर्मचारी निगम की सेवा से मुक्त हो चुके हैं ऐसे सभी 11 प्रकरणों में पी एण्ड जीएस भोपाल द्वारा वर्तमान वित्तीय वर्ष में भुगतान किया जा चुका है।

6 श्री शशि प्रसाद साहू सेवानिवृत्त उच्च श्रेणी सहायक का अंतिम भुगतान की राशि अब तक लंबित है। प्रबंधन ने बताया कि इस मामले में कोर्ट के फैसले का इंतजार है।

7. इंदौर मंडल के डीबीओ शाखा, इंदौर के कार्यालय में कार्य के दौरान दुर्घटना के कारण प्रभावित श्रीमती अनिता जोशी को विशेष अवकाश प्रदान किया जाए।

- प्रबंधन ने इस मामले पुनर्विचार का आश्वासन दिया।

8 इंदौर मंडल के श्री राजेश बागौटा के ग्रुप इंश्योरेंस का प्रीमियम त्रुटिवश बंद हो गया है।

- प्रबंधन इस मामले को केन्द्रीय कार्यालय के समक्ष उठाने हेतु पत्र लिखेगा।

अंत में सहसचिव सीजेडआईईए कॉमरेड पुषण भट्टाचार्य ने सूचना सहभागिता सत्र के सफल आयोजन पर क्षेत्रीय प्रबंधन को धन्यवाद देते हुए कहा कि कार्यसूची में सम्मिलित सभी विषयों पर सारगर्भित चर्चा हुई है तथा उन्हें विश्वास है कि शीघ्र ही इन सभी पर निर्णय लेकर यथायोग्य कार्यवाही की जाएगी। साथ ही उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह सत्र आगामी वर्षों में भी निरंतर जारी रहेगा।

उपरोक्त सभी विषयों पर सीजेडआईईए की ओर से सार्थक समाधान हेतु पहल जारी रहेगी।

क्रांतिकारी अभिवादन के साथ...

आपका साथी

(डी.आर. महापात्र)
महासचिव